S-353

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-608

ज्योतिष प्रबोध-02

MA Jyotish (MAJY)

4th Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. भास्कराचार्य के मत में भूगोल स्वरूप का वर्णन करते हुए पुराणों में वर्णित भूमि आधार की परम्परा का उल्लेख करें।

2. वर्तमान में प्रचलित गुरूत्वाकर्षण के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

3. ब्राह्मण ग्रन्थ में पृथ्वी के गोलत्व के सन्दर्भ में प्रतिपादित मतों का उल्लेख करें।

4. सूर्यसिद्धान्तीय स्पष्टभूपरिधि संस्कार का प्रतिपादन कीजिए।

5. शून्य का परिचय देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतीय अंक और अंग्रेजी अंक का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. शून्य का महत्त्व समझाते हुए लिखिए।

2. पृथ्वी के भौतिक स्वरूप का वर्णन करें।

3. भिन्नाष्टक वर्ग क्या है?

4. अष्टक वर्ग फल का विवेचन कीजिए।

5. भास्करीय भूपरिधि संस्कार का उल्लेख कीजिए।

6. पाइथागोरस प्रमेय क्या है?

7. समुदयाष्टक वर्ग निर्माण विधि बतलाइए।

8. पृथ्वी के गोलत्व पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।